



Nagarjuna Degree College

38/36, Ramagondanahalli,

Yelahanka Hobli,

Bengaluru - 560 064.

Reg. No.

--	--	--	--	--	--	--	--

35403

IV Semester B.B.A./B.B.A.M./B.H.M./M.T.A. Degree Examination,  
September/October - 2022

HINDI

Novel (Upanyas) Prativeda lekhan, Translation  
(CBCS Semester Scheme 2019 onwards)

Paper : IV

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य या शब्द में लिखिए।

(10×1=10)

- 1) 'शेषयात्रा' उपन्यास के उपन्यासकार कौन हैं?
- 2) जयंत किस रेस्टोरेंट में काम करते थे?
- 3) दिव्या का भाई कौन है?
- 4) अनु को बड़ी ग्लैमरस कौन लगती थी?
- 5) प्रणव की पुरानी सहपाठिनी का नाम क्या है?
- 6) अनु के पति का पूराना नाम लिखिए।
- 7) 'शेष-यात्रा' उपन्यास में देवकन्या किसे कहा गया है?
- 8) कीरत के पति कौन हैं?
- 9) प्रणव की परमानेंट गर्लफ्रेंड कहाँ रहती थी?
- 10) डलस को किस प्रकार का कैंसर था?

II. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(2×12=24)

- 1) 'शेष-यात्रा' - उपन्यास का सारांश लिखिए।
- 2) अनु और प्रणव का चरित्र-चित्रण कीजिए।
- 3) 'शेष यात्रा' - उपन्यास एक मानव की संघर्षशील कहानी है - स्पष्ट कीजिए।

III. निम्न किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए।

(2×8=16)

- 1) चंद्रिका
- 2) अनुदेवी
- 3) सखी सम्मेलन
- 4) दीपांकर

[P.T.O.]



## IV. किसी एक विषय पर प्रतिवेदन लिखिए।

(1×10=10)

- 1) कर्नाटक में राष्ट्रीय 'नई शिक्षा नीति २०२० लागू हो गया है, क्रियान्वयन में राज्य सरकार द्वारा किए गए गतिविधियों पर एक प्रतिवेदन लिखिए।

(अथवा)

- 2) आपके महाविद्यालय में आयोजित 'रत्नदान शिविर' पर एक प्रतिवेदन लेखन लिखिए।

## V. हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

(1×10=10)

'Where there is a will there is way' is an old and true saying He who determines to do a thing by that determination over comes the abstracts and half secures its fulfilment. It is so in all fields of life. at school at college or in the world. Difficulties disappear an answering resolution. History is proof that people who had great will power, achieved success in their life. It stands as proof that no matter how hard things got, these people did not stop from getting their way.

'मनस्सिद्धरे मार्ग' ಎಂಬುದು ಒಂದು ಪುರಾತನ ಹಾಗೂ ಸತ್ಯವಾದ ಉಕ್ತಿ. ಯಾರು ಕೆಲಸ ಮಾಡಲು ದೃಢ ಸಂಕಲ್ಪ ಮಾಡುತ್ತಾನೆಯೋ ಅವನು ತನ್ನ ದೃಢ ನಿಶ್ಚಯದಿಂದ ಆ ಕೆಲಸದಲ್ಲಿರುವ ತೊಂದರೆಗಳನ್ನು ನಿವಾರಿಸಿಕೊಂಡು ಅರ್ಥ ಸಫಲತೆಯನ್ನು ಪಡೆಯುತ್ತಾನೆ. ಶಾಲಾ-ಕಾಲೇಜಿನಲ್ಲಿಯೂ ಮತ್ತು ಜೀವನದ ಎಲ್ಲಾ ಕ್ಷೇತ್ರದಲ್ಲಿಯೂ ಈ ಮಾತು ಅನ್ವಯವಾಗುತ್ತದೆ. ದೃಢ ಸಂಕಲ್ಪದ ಮುಂದೆ ಕಷ್ಟಗಳು ಮಾಯವಾಗುತ್ತವೆ. ದೊಡ್ಡ ಆತ್ಮಬಲವನ್ನು ಹೊಂದಿದ ಜನರು ತಮ್ಮ ಜೀವನದಲ್ಲಿ ಯಶಸ್ಸನ್ನು ಸಾಧಿಸುತ್ತಾರೆ ಎಂಬುದಕ್ಕೆ ಇತಿಹಾಸವೇ ಸಾಕ್ಷಿಯಾಗಿದೆ. ಎಷ್ಟೇ ಕಷ್ಟ ಬಂದರೂ ಈ ಜನರು ತಮ್ಮ ದಾರಿ ಹಿಡಿಯುವುದನ್ನು ನಿಲ್ಲಿಸುವುದಿಲ್ಲ ಎಂಬುದಕ್ಕೆ ಸಾಕ್ಷಿಯಾಗಿರುತ್ತಾರೆ.